Netaji Subhash Chander Bose Memorial
Govt. College Hamirpur,
Himachal Pradesh
Tel. No.: 01972-222227, FAX: 01972-222227, E-mail: gchamirpur-hp@nic.in

NSS ACTIVITY ORGANIZED REPORT
(Academic Year: 2025-26)

Name of the activity organized	Dermatoglyphics Multiple Intelligence Test (DMIT) based Upskilling Workshop
Title of the activity	Upskilling Workshop for Students
Date of the activity organized	August 30, 2025
Name of the Coordinator/Convener	NSS POs Dr. Naisergik Deepika Khanna & Mr. Vinod Chand
Name, Designation and brief detail of the Resource Person(s)	Dr. BS Chauhan, Visiting Professor at SNNC IGMC, Shimla, renowned Nanotechnology Scientist, DMIT Expert, Academician, NLP Coach, Cyber Psychologist, Career Counsellor and Motivational Speaker
Notice/Circular/Brochure (attach as separate file)	EDN-GC-HMR/NSS/ 2025 dated August 28, 2025
Place of the activity	Dr. APJ Abdul Kalam Conference Hall
No of participants [students (male + female) and staff]	98 Students and 12 Staff
Name of sponsoring organization	**--**
Nature of sponsorship	--
Objective of activity	To raise the potential of DMIT and structured upskilling to unlock hidden capabilities of India's youth.
Outcome of activity	Raised the potential of students to unlock their hidden capabilities.

News published on
Awaz Janadesh (Hamirpur, H.P. edition)
dated September 01, 2025

AWAZ JANADESH
हिमाचल का नंबर 1 न्यूज़ चैनल

Home › हिमाचल प्रदेश › हिमाचल प्रदेश › एनएससीबीएम कॉलेज हमीरपुर ने आयोजित की अपस्किलिंग कार्यशाला, डॉ. बी.एस. चौहान ने दिया मुख्य व्याख्यान

हिमाचल प्रदेश

एनएससीबीएम कॉलेज हमीरपुर ने आयोजित की अपस्किलिंग कार्यशाला, डॉ. बी.एस. चौहान ने दिया मुख्य व्याख्यान

Awazadmin - August 31, 2025

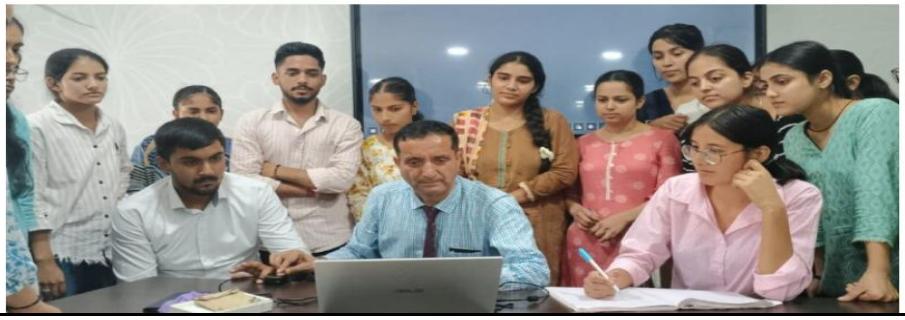

आवाज़ जनादेश शिमला/हमीरपुर,

हिमाचल प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल (NSCBM) राजकीय महाविद्यालय, हमीरपुर ने हाल ही में स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक अपस्किलिंग कार्यशाला का सफल आयोजन किया। इस कार्यशाला में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, विभिन्न संघों के प्रभारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस कार्यशाला का आयोजन कॉलेज के दूरदर्शी प्राचार्य डॉ. परमोद पाटियाल के नेतृत्व में किया गया, जिन्होंने इस आयोजन को कॉलेज की 60 साल की गौरवमयी यात्रा का एक और मील का पत्थर बताया। यह आयोजन विशेष रूप से डॉ. बी.एस. चौहान के मुख्य व्याख्यान के कारण बेहद सफल रहा, जो एक प्रसिद्ध नैनोटेक्नोलॉजी वैज्ञानिक और अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर हैं।

अपस्किलिंग की आवश्यकता और डीएमआईटी का परिचय

अपने दो घंटे के सत्र में डॉ. चौहान ने 21वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए युवाओं में अपस्किलिंग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जहाँ सिंगापुर जैसे देश PISA रैंकिंग में शीर्ष पर हैं, वहीं भारत को फ्रंटियर टेक्नोलॉजी रेडीनेस में अपनी स्थिति सुधारने की जरूरत है। उन्होंने प्रसिद्ध कवि डब्ल्यू.बी. यीट्स के कथन को उद्धृत किया कि "शिक्षा बाल्टी भरने का काम नहीं, बल्कि आग जलाने का कार्य है।"

डॉ. चौहान ने प्रतिभागियों को डर्माटोग्लाइफिक्स मल्टीपल इंटेलिजेंस टेस्ट (DMIT) से परिचित कराया, जो एक वैज्ञानिक फिंगरप्रिंट-आधारित परीक्षण है। यह परीक्षण 95% तक की सटीकता के साथ विद्यार्थियों की जन्मजात प्रतिभाओं और 8 प्रकार की बुद्धिमत्ताओं, 5 प्रकार के कोशेंट्स, 7 लर्निंग स्टाइल्स और 10+ व्यक्तित्व आयामों को पहचानने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक न केवल विद्यार्थियों के लिए, बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों और कॉर्पोरेट पेशेवरों के लिए भी समान रूप से उपयोगी है।

कार्यशाला का सबसे आकर्षक हिस्सा विद्यार्थियों द्वारा सुपरह्यूमन स्किल्स का प्रदर्शन रहा। सहिल कुमार, सुहावना, नैनीताल ठाकुर और अन्य विद्यार्थियों ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दो विद्यार्थियों ने केवल 8 सेकंड में 20 अंकों का गुणनफल हल करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्य विद्यार्थियों ने मेमोरी रिकॉल, कैलेंडर कैलकुलेशन और रैपिड ग्नातिटिकल स्किल्स का प्रदर्शन किया, जो सामान्यतः कंप्यूटर से हल करने में भी अधिक समय लेते हैं।

प्राचार्य ने बताया भविष्य का रोडमैप

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. परमोद पाटियाल ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि उनका संस्थान विद्यार्थियों को भविष्य का नेता बनाने में योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के 5,000 से अधिक पूर्व छात्र विश्वभर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएँ दे रहे हैं। डॉ. पाटियाल ने डीएमआईटी को एक वैज्ञानिक उपकरण बताया, जो विद्यार्थियों को स्वयं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि कॉलेज प्रशासन भविष्य में नियमित रूप से ऐसी कार्यशालाएँ आयोजित करेगा, जिससे प्रतिवर्ष 1,500 से अधिक विद्यार्थियों और उनके परिवारों को लाभ होगा।

यह कार्यशाला कॉलेज के संकाय सदस्यों, प्रो. लवली राणा, प्रो. एन.डी. खन्ना, डॉ. कल्पना भंडारी, डॉ. वी.पी. सिंह, प्रो. विनोद चंद, प्रो. मधुरी गुप्ता, प्रो. संदीश, और प्रो. चंद्रेश के समर्पित प्रयासों से सफल हुई।

क्या आप चाहेंगे कि इस रिपोर्ट में कोई और जानकारी जोड़ी जाए या इसमें कोई बदलाव किया जाए?

Photo Gallery (Preferably Geo - tagged)

Brief about the activities: NSS unit of NSCBM Govt College Hamirpur, H.P. celebrated National Sports Day on August 29, 2025. The highlight of the programme was the keynote address delivered by Prof. (Dr.) B. S. Chauhan, Visiting Professor at SNNC IGMC Shimla, renowned nanotechnology scientist, academician, DMIT expert, NLP coach, cyber-psychologist, career counsellor, and international motivational speaker. In his two-hour session, Dr. Chauhan emphasized the urgent need for upskilling Indian youth to meet global challenges of the 21st century. Drawing comparisons with global education systems, he pointed out that while Singapore ranks No. 1 in PISA (Programme for International Student Assessment) in

Mathematics, Science, and Reading, India continues to lag at 36th in frontier technology readiness, making educational reforms the need of the hour. Dr. Chauhan introduced participants to Dermatoglyphics Multiple Intelligence Test (DMIT), a fingerprint-based tool with 95% accuracy, widely adopted in over 40 countries. He explained how DMIT identifies 8 types of intelligences, 5 types of quotients (IQ, EQ, AQ, CQ, SQ), 7 learning styles, 12 sports aptitudes, and 10+ personality dimensions, giving students and teachers insights into hidden talents, career pathways, and personality traits. He also demonstrated how superhuman skills can be unlocked through scientific mentoring. Students trained under his guidance performed mental calculations 100 times faster than calculators, solving problems in 5–7 seconds that typically take machines 30–40 seconds.

Importance of DMIT for India

Dr. Chauhan stressed that DMIT is equally relevant for:

School students (5–18 years): to discover inborn talents and career directions.

College students (18–25 years): to prepare strategically for UPSC, IIT-JEE, NEET, CAT, and other competitive examinations.

Teachers (25–55 years): to understand diverse learning patterns and make teaching more effective. Highlighting global practices, he noted that USA, UK, Germany, Canada, and Australia already invest heavily in talent identification, with Germany alone registering 65,000+ patents annually. In contrast, India spends only 3.1% of its GDP on education, compared to 6–7% in Finland, Denmark, and Sweden, a gap that urgently needs to be addressed.

The workshop was jointly coordinated and mentored by Prof. N. D. Khanna (NSS Programme Officer) & Prof. Vinod Chand (NSS Programme Officer) along with a dedicated team of faculty members who guided students and ensured smooth execution of the event. Among them were Prof. Lovli Rana, Dr. Kalpna Bhandari, Dr. V. P. Singh, Prof. Madhuri Gupta, Prof. Sandesh, and Prof. Chandresh.

Student Demonstrations of Superhuman Skills

A special highlight of the workshop was the demonstration of superhuman skills by students who underwent DMIT-based analysis. Two students solved 20-digit multiplication problems in under 8 seconds. Others demonstrated memory recall, calendar calculations, and rapid analytical skills. These performances reaffirmed the potential of DMIT and structured upskilling to unlock hidden capabilities of India’s youth.